जनपद सन्तकबीर नगर की भ्रमण निरीक्षण आख्या

भ्रमण टीम –	दिनांक –22, 23 एवं 24 सितम्बर 2016
डॉ0 स्वप्ना दास–महाप्रबन्धक, आर0बी0एस0के0 / आर0के0एस0के0 डा0 वैभव पाठक – कन्सलटेन्ट, परिवार नियोजन पूजा देवी– प्रोग्राम को–ऑर्डिनेटर, मातृ स्वास्थ्य सुश्री सोनल राय–एडोल्सेन्ट हेल्थ स्पेशलिस्ट, यू0पी0 टी0एस0यू0	**स्थान** – संयुक्त जिला चिकित्सालय सन्तकबीर नगर, एफ0आर0यू0 सी0एच0सी0 मेधावल, एफ0आर0यू0 सी0एच0सी0 खलीलाबाद, नॉन एफ0आर0यू0 सी0एच0सी0 नाथनगर

सहायक पर्यवेक्षण के दौरान अवलोकन बिन्दु

संयुक्त जिला चिकित्सालय संतकबीरनगर

1. डॉ0 आन्नद प्रकाश श्रीवास्तव, मुख्यचिकित्साधिकारी
2. डॉ0 ए0के0 श्रीवास्तव, चिकित्सा अधीक्षक
3. डॉ0 रमेश कुमार, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, नोडल आर0के0एस0के0 / परिवार नियोजन।
4. डॉ0 के0एम0 मिश्रा, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, नोडल आर0सी0एच0
5. डॉ0 आर0बी0 राय, नोडल आर0बी0एस0के0
6. श्री विनीत कुमार श्रीवास्तव, जिला कार्यकम प्रबंधक।
7. श्री संजीव कुमार सिंह, जिला कन्युनिटी प्रोसेस प्रबंधक।
8. श्री जसवंत, डी0ई0आई0सी0 मैनेजर
9. सुश्री रेनु, श्री दयानन्द तिवारी, ए0एफ0एच0 काउन्सलर
10. डा0 जगदीश, श्री करूनेश तिवारी, सुश्री असमिता, जिला टी0एस0यू0 टीम

संयुक्त जिला चिकित्सालय संतकबीरनगर में सहायक पर्यवेक्षण के दौरान अवलोकन बिन्दु

- जिला अस्पताल में समस्त अधिकारी कर्मचारी समय से उपस्थित थे।
- मरीजों के पंजीकरण किया जा रहा था।
- भ्रमण के दौरान जिला अस्पताल में साफ–सफाई ठीक थीं
- समस्त जांचे और दवा का वितरण नियमित रूप से किया जा रहा था।
- महिला ए0एफ0एच0सी0 में आई0ई0सी0 उपलब्ध नही था। महिला काउन्सलर के कक्ष का कम्पयूटर चालू हालत में नही था उसपर धूल जमीं हुयी थी। पूछने पर काउन्सलर द्वारा बताया गया कि उसने लिखित में चिकित्सा अधीक्षक को शिकायत की है।
- ए0एफ0एच0सी0 महिला व पुरूष काउन्सलर द्वारा आउटरीच गतिविधिया की जा रही थी परन्तु प्रिन्टेड आउटरीच रजिस्टर नही थे केवल दो अनप्रिन्टेड रजिस्टर पाये गये।
- सेन्ट थॉमस संस्था द्वारा किशोरियों को जिला चिकित्सालय में महिला काउन्सलर के पास सन्दर्भित किया जा रहा था।
- **राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यकम** – राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यकम के अर्न्तगत सन्दर्भित किये जा रहे बच्चों का लेखा जोखा उपलब्ध नहीं था।

- डी0ई0आई0सी0 मैनेजर द्वारा ये संज्ञान में लाया गया कि डी0पी0एम0 द्वारा उनकी ड्युटी अन्य कार्यक्रमों में लगा दी जाती है जिससे आर0बी0एस0के0 द्वारा सन्दर्भित किये गये बच्चों की स्थिति की पर्याप्त जानकारी नही हो पाती है।
- **लेबर रूम** में सेवन (सात) ट्रे पाये गये।
- जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत अत्यधिक भुगतान लम्बित पाये गये।
- जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत एक पन्नेवाला पुराना फॉर्म भराया जा रहा है जिसमें निर्धारित प्रारूप के अनुसार दो कॉपी में लाभार्थी भुगतान प्रमाण पत्र संलग्न नही है। अतः छुट्टी के समय भुगतान से सम्बन्धीत लाभार्थी भुगतान प्रमाण पत्र किसी भी लाभार्थी को नही दिया जा रहा है।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अर्न्तगत डाइट रजिस्टर जॉच के लिए उपलब्ध नही कराया गया।
- पर्याप्त प्रोटोकॉल आई०ई०सी० वार्ड में लगे थे। जननी सुरक्षा योजना एवं जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अर्न्तगत निःशुल्क प्रदान की जानी वाली सेवाओं का प्रचार प्रसार भी सही ढंग से नही किया गया था।
- जननी सुरक्षा योजना अन्तर्गत प्रसूताओं को 48 घण्टे नहीं रोका जाता है।
- जिला अस्पताल में **एन0आर0सी0** की स्थिति काफी सराहनीय थी।
- एन0आर0सी0 में अतिकुपोषित बच्चे भर्ती थी एवं उनकी अच्छे से देख रेख की जा रही थी।
- एन0आर0सी0 में सारी सुविधायें नियमित रूप से सभी अतिकुपोषित बच्चों को दी जा रही थी। उनकी काउन्सलिंग अच्छे से की जा रही थी।
- एन0आर0सी0 में अतिकुपोषित दो बच्चें भर्ती थे उनके परिजनों से पूछने पर बताया की उन्हे सारी सुविधायें नियमित रूप से दी जा रही है एवं बच्चों की स्थिति में सुधार आ रहा है।
- 14 दिन पहले भर्ती हुये अतिकुपोषित बच्चों को छुटटी की जा रही थी मानकानुसार उनकी स्थिति में काफी सुधार था।
- **एस0एन0सी0यू0** में बाल चिकित्सक की तैनाती नहीं थी।
- बायो वेस्ट डिस्पोजल का प्रबन्धन सही प्रकार से नहीं हो रहा है। अलग रंगों की तीनों डस्टबिन नही पाये गये।
- जिला अस्पताल में कोई भी परिवार नियोजन काउन्सलर नही था।
- जिला अस्पताल में परिवार नियोजन से सम्बन्धित आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं था एवं महिला व पुरूष नसबन्दी नही हो रही थी।

सी0एच0सी0 मेधावल–

- गर्भवती महीलाओं को परिवार नियोजन संम्बधि उपायो के बारे में विषेश सूचना अथवा सलाह नही दी जा रही थी
- पी0पी0आई0यू0सी0डी0 कार्ड अस्पताल मे उपलब्ध नही थे , जिसके वजह से फलोअप नही हो पा रहा था।
- डा0 कौनौजिया द्वारा यह बताया गया कि अस्पताल में पांच में से चार लैप्रोस्कोप खराब है। जिसका असर अस्पताल में हो रही नसब्दीयों पर पड रहा है।
- ए0एन0सी0 रजिस्टर पूर्ण नही था ,रजिस्टर में गर्भवती महिलाओं के टीका करण की कोई भी सूचना उपलब्ध नही थी।
- पी0एन0सी0 वार्ड में दो महिलाये भर्ती थी उन्होनें नवजात शिशु को शीध्र स्तनपान कराया था । महिलाओं को यह जानकारी थी कि उन्हें छः माह तक सिर्फ स्तनपान ही कराना है।

- यह देखने को मिला कि पी.एन.सी. महिलाओं को परिवार नियोजन सम्बन्धी सलाह और उपाय परिवार नियोजन सलाहकार द्वारा दिये जा रहे थे।
- पी0एन0सी0 रजिस्टर उपलब्ध नही था।
- लेबर रूम का शौचालय चालू हालत में नही था।
- आवश्यक नवजात शिशु देख भाल, बच्चो का स्वास्थ्य, प्रसव पूर्व एवं परिवार नियोजन सम्बधित सेवायें काफी अच्छे तरह से कियानवित की जा रही हैं। स्टाफ नर्स और काउन्सलर को उचित जानकारी थी
- पी0पी0आई0यू0सी0डी0 एवं आयु0यू0सी0डी0 इर्न्सशन ठीक था परन्तु महिला नस्बन्दी की मासिक प्रगती खराब थी।

एफ0आर0यू0 सी0एच0सी0 खलीलाबाद–

- चिकित्सा अधीक्षक ने एक महीने पहले ज्वाइन किया था उन्हें सी0एच0सी0 में दी जाने वाली सेवाओं के बारे में ज्यादा जानकारी नही थी।
- बी0पी0एम0 द्वारा अपने कार्यों का निर्वाहन सही से नही किया जा रहा था।
- एम0सी0टी0एस ऑपरेटर द्वारा पंजीकरण का कार्य सुचारू रूप से किया जा रहा था।
- सी0एच0सी0 खलीलाबाद में तैनात नर्स मेण्टर त्याग पत्र दे चुकी थी।
- फार्मासिस्ट उपस्थित नही थे जिससे सम्बन्धित स्टॉक रजिस्टर, दवाईयों के रख रखाव का अवलोकन नही किया जा सका।
- आशायें हडताल पर थी एवं उनके द्वारा सी0एच0सी0 परिसर का घेराव किया गया था।
- राज्य स्तरीय टीम ने खलीलाबाद के हीरालाल इण्टर कॉलेज का भ्रमण किया। जहां पर माइक्रोप्लान के अनुसार आर0बी0एस0के0 की दोनों टीम के सभी सदस्य उपस्थित थे और अपना कार्य कर रहे थे।
- आर0बी0एस0के0 टीम के पास रिफरल कार्ड उपलब्ध नही थे।
- पी0एन0सी0 वार्ड में दो महिलाये भर्ती थी उन्हें स्तनपान के महत्व की जानकारी नही थी और उनमें से किसी ने भी जन्म के एक घन्टे के अन्दर स्तनपान नही कराया था।
- स्टाफ नर्स/काउन्सलर द्वारा नवजात शिशु की देखभाल के बारे में पर्याप्त जानकारी नही दी जा रही थी।
- डा0 अन्जू को लेबर रूम में भर्ती महिलाओं एवं नवजात शिशु की देख–रेख के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।
- लेबर रूम में बाथरूम बहुत गन्दा था एवं उसकी उचांई लेबर रूम से बहुत अधिक थी जिससे गर्भवती महिलाओं को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा था।
- लेबर रूम में नवजात शिशु को ओढाने के लिये स्ट्रालाइज क्लाथ का उपयोग नही किया जा रहा था।
- लेबर रूम में कांच की दीवार थी जिससे भर्ती गर्भवती महिलाओं की प्राईवेसी में दिक्कत आ रही थी।
- लेबर रूम रजिस्टर, डाइट रजिस्टर, एच0आर0पी0 रजिस्टर उपलब्ध थे तथा उनमें अंकन प्रकिया सुचारू रूप किया जा रहा था।

ब्लॉक सी0एच0सी0 नाथनगर–

- अधीक्षक डॉ0 रमेश कुमार
- डॉ0 राजेश कुमार (आर0बी0एस0के0 टीम नोडल)
- डॉ0 आनन्द प्रताप सिंह (आर0बी0एस0के0 टीम नोडल)
- उपस्थित रजिस्टर का अवलोकन करने पर पाया गया कि समस्त अधिकारी /कर्मचारी उपस्थित थे।
- अस्पताल की सफाई व्यवस्था संतोषजनक एवं व्यवस्थित नही पायी गयी ।
- सी0एच0सी0 में लैब टैक्नीशियन का पद 03 माह से रिक्त है जिसके कारण मरीजों को जांच करवाने में असुविधा हो रही है।
- जे0एस0वाई रजिस्टर में नियमित रूप से अंकन हो रहा है तथा एम0सी0टी0एस0 नम्बर पडे हुये थे।
- लेबर रूम रजिस्टर, डाइट रजिस्टर, एच0आर0पी0 रजिस्टर उपलब्ध थे तथा उनमें अंकन प्रकिया सुचारू रूप किया जा रहा था।
- लेबर रूम में सफाई संतोषजनक नही पायी गयी।
- जे0एस0वाई0 लाभार्थियों को मानकानुसार डाइट नही दिया जा रहा था।
- आर0बी0एस0के0 की दोनों टीम के सभी सदस्य उपस्थित थे तथा उनकी समस्त रिर्पोट एवं रजिस्टर समुचित रूप से व्यवस्थित थे।
- डॉ0 आनन्द प्रताप सिंह (आर0बी0एस0के0 टीम नोडल) द्वारा बताया गया कि दोनों टीमें माइक्रोप्लान के अनुसार स्कूल व आंगनवाडी केन्द्रों का भ्रमण सुचारू रूप से कर रही हैं।
- जे0एस0वाई0 लाभार्थी व आशा का भुगतान लम्बित था बैम द्वारा बताया गया कि हडताल की वजह से येसा हुआ जल्द ही 15 दिनों के भीतर लम्बित भुगतान कर दिया जायेगा।
- सी0एच0सी0 में पी0पी0आई0यू0सी0डी0 की सुविधा दी जा रही थी। नर्स मेण्टर निशा पटेल द्वारा बताया गया कि सी0एच0सी0 में फैमली वेलफेयर काउन्सलर न होने के कारण पी0पी0आई0यू0सी0डी0 की मासिक प्रगति में कमी है।

कम्युनिटी विजिट–

- **नोट–** आशा व आंगनवाडी की हडताल, भारी वर्षा, एवं पोलियो अभियान होने के कारण कम्युनिटी विजिट के अर्न्तगत वी0एच0एन0डी0 नहीं हो पायी।
- खलीलाबाद ब्लॉक के उपकेन्द्र विश्वनाथपुर में ए0एन0एम0 शोभा देवी उपस्थित थी।
- ए0एन0एम0 शोभा देवी को बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण, के आर0केएस0के0 कार्यक्रम की समुचित जानकारी थी तथा समुदाय में किशोरियों को छोटी नीली आयरन की गोलियों का वितरण कर रही थी, जो काफी सराहनीय था।
- जे0एस0वाई0 के अर्न्तगत उपकेन्द्र में प्रसव सुविधा उपलब्ध करायी जा रही थी।
- ए0एन0एम0 द्वारा कुपोषित तथा अतिकुपोषित बच्चें एन0आर0सी0 पर संदर्भित किये जा रहे थे।
- मीजोप्रोस्टॉल टैबलेट्स समुदाय में वितरण के लिये उपलब्ध थी।
- ए0एन0एम0 को परिवार नियोजन प्रणाली की समुचित जानकारी थी तथा उपकेन्द्र पर ए0एन0एम0 द्वारा आयू0सी0डी0 की सुविधा दी जा रही थी।
- गृह भ्रमण के दौरान धात्री द्वारा बताया गया कि जे0एस0वाई0 का भुगतान बिलम्ब से किया गया।
- लाभार्थी धात्री महिला से चर्चा के दौरान यह ज्ञात हुआ कि आशा द्वारा गृह भ्रमण के दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन सुविधाओं की समुचित जानकारी नही दी जा रही है। लाभार्थी को Complimentary feeding and Family Planning की पर्याप्त जानकारी नही थी।

District Hospital

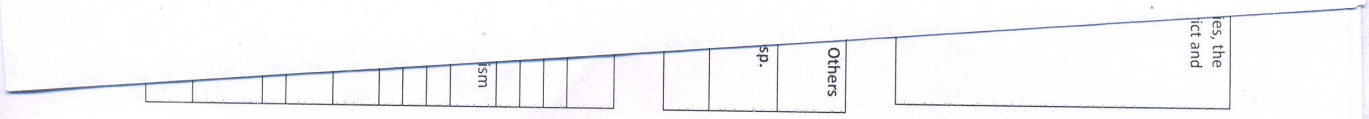

- उपकेन्द्र में साफ–सफाई की सुविधा संतोषजनक नही थी तथा दीवारों का पेण्ट खराब हो चुका था।

राज्य स्तरीय भ्रमण दल द्वारा दी गयी सलाह

आर0बी0एस0के0–

- ब्लॉक सिमरियांवा में आर0बी0एस0के0 की अप्रशिक्षित टीम का प्रशिक्षण कराना सुनिश्चित करें।
- आर0बी0एस0के0 नोडल व डी0पी0एम0 आर0बी0एस0के0 टीम को रेफरल कार्ड उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
- आर0बी0एस0के0 नोडल आर0बी0एस0के0 टीम को बच्चों की जाँच सम्बन्धी उपकरण (जैसे–टॉर्च,घण्टी आदि) उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, जिसका बजट जिले के पास पूर्व से ही उपलब्ध है।
- आर0बी0एस0के0 के अन्तर्गत संचालित वाहनों की लॉक–बुक का अंकन सुनिश्चित करें।
- जी0एम0 आर0बीएस0के0 द्वारा निर्देशित किया गया कि डी0ई0आई0सी0 मैनेजर प्रत्येक शनिवार को जिला चिकित्सालय मे उपस्थित रहकर संदर्भित बच्चों का इलाज करायें।
- जी0एम0 आर0बीएस0के0 द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि संदर्भित बच्चों का जिला अस्पताल में निःशुल्क पर्चा बनाया जाये।

आर0के0एस0के0–

- पिंक आयरन की गोलियों की खरीद की प्रक्रिया एवं उसके वितरण को सुनिश्चित करें।
- नीली आयरन की गोली से सम्बन्धित आर0सी0 हो चुकी है और जिलों को धनराशि उपलब्ध करा दी जा रही है Purchase Order करने की कार्यवाही करें।
- जिले की समस्त ब्लॉक टीम को 06 अक्टूबर को Adolescent Health day का आयोजन करें एवं उसकी ससमय रिर्पोट राज्य स्तर पर प्रेषित करें।
- जिला अपने ब्लॉक स्तर पर ए0एफ0एच0सी0 का निर्माण पूरा कर ए0एफ0एच0सी0 सलाहकार की तैनाती नवम्बर तक सुनिशचित करें।
- राज्य स्तरीय टीम द्वारा निर्देशित किय गया कि अक्टूबर माह में जिला स्तरीय रिव्यू बैठक(समस्त आर0एस0के0, विफ्स, निप्पी, एम0एच0एम0) कर रिर्पोट राज्य स्तर पर प्रेषित करें।
- जिला ए0एफ0एच0सी0 पर आइ0ई0सी0 मैटेरियल का प्रर्दशन 15 के भीतर कराना सुनिश्चित करें एवं रिर्पोट राज्य स्तर पर प्रेषित करें।
- जिन ब्लॉक पर पीयर एजूकेटर का चयन हो गया है वहां पर आशाओं का भुगतान करना सुनिश्चित करें।
- ।कवसमेबमदज भ्मंसजी कंल के दौरान पीयर एजूकेटर को छवद डवदपजवतपदह पदबमदजपअम देना सुनिश्चित करें।

परिवार नियोजन–

- राज्य स्तरीय टीम द्वारा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला अस्पताल को निर्देशित किया गया कि ए0एफ0एच0एस0 महिला काउन्सलर की परिवार नियोजन सम्बन्धित ट्रेनिंग कराकर परिवार नियोजन काउन्सलिंग का भी कार्य लिया जाये।

District Hospital
SUPPORTIVE SUPERVISION CHECKLIST: FACILITY

- समस्त स्वास्थ्य इकाईयों पर यह सुनिश्चित किया जाये कि जो गर्भवती महिलायें ए0एन0सी0 चेकअप के लिये आ रही है वह सर्वप्रथम काउन्सलर के पास जायें जिससे उनकी समस्त जांचे हो सकें उसके उपरान्त ही डॉ0 के पास जाये जिससे डाक्टर का ओ0पी0डी लोड कम हो सके।
- काउन्सलर द्वारा यह प्रयास किया जाये कि काउन्सलिंग के समय लाभार्थी महिला के साथ पुरुष भी उपस्थित रहें जिससे दोनों परिवार नियोजन का महत्व समझ सके।
- काउन्सलर को मोहर देना सुनिश्चित करें जिससे काउन्सलिंग किये गये लाभार्थियों की जानकारी प्राप्त हो सके।
- काउन्सलर द्वारा आशा, ए0एन0एम0, आंगनवाडी की बैठक प्रतिभाग किया जाये।
- जिले स्तर से पी0एन0सी0 रजिस्टर का मुद्रण कराकर शीध्र अतिशीघ्र स्वास्थ्य इकाईयों पर देना सुनिश्चित करें।
- चिकित्सा अधीक्षक मेधावल खराब पडे लैप्रोस्कोप को ठीक कराना सुनिश्चित करें। जिसके लिये बजट जिले स्तर पर उपलब्ध कराया जा चुका है लेबर रूम के शौचालय को सुचारू रूप से चालू कराना सुनिश्चित करें।

District · Hospital

मातृ स्वास्थ्य–

- जननी सुरक्षा योजना एवं जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अर्न्तगत निःशुल्क प्रदान की जानी वाली सेवाओं का व्यापक प्रचार –प्रसार किये जाने का सुझाव दिया गया।
- उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की नामवार सूची तैयार करने का सुझाव दिया गया।
- जननी सुरक्षा योजना अन्तर्गत प्रसूताओं को 48 घण्टे रोकने का सुझाव दिया गया।
- प्रसव कक्ष की साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखा जाये एवं बायो वेस्ट डिस्पोजल प्रबन्धन सही प्रकार से किया जाये।
- अधीक्षक नाथनगरग को जे0एस0वाई0 लाभार्थी व आशा के लम्बित भुगतान को शीघ्र अति शीघ्र पूर्ण कराने को कहा गया।
- सी0एच0सी0 खलीलाबाद में लेबर रूम में कांच की दीवार थी जिससे प्रसूता की privacy में अवरोध उत्पन्य हो रहा है अतः वहॉ पर अपारदर्शिता सुनिश्चित करें।
- महिला चिकित्सक खलिलाबाद का मरीजों में अधिक रूचि लेना उचित होगा।
- नर्स मेन्टर (टी0एस0यू0) का नया Appointment शीघ्रतिशीघ्र सुनिश्चित करें।

<u>जिला स्तरीय रिव्यु बैठक दिनांक 24.09.2016</u>–

सहायक पर्यवेक्षण के अंतिम दिवस को जिला स्तरीय रिव्यु बैठक का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में किया गया था जिसमें CMO,ALL ACMOs all MOICs, Nodal FP/RBSK and DPMU द्वारा प्रतिभाग किया गया। राज्य स्तरीय भ्रमण दल ने प्रजेन्टशन के माध्यम से अवलोकन बिन्दु पर आधारित Suggestion and Recommendation दिये।

पूजा देवी
कार्यक्रम समन्वयक (मातृ स्वास्थ्य)
एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0

डा0 वैभव पाठक
सलाहकार (परिवार नियोजन)
****

Dr. Swapna Das
General Manager
RBSK/RKSK